

(57)

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक- 12016/निगरानी

1083-I-16

रघुवीर सिंह पुत्र श्री लीलाधर शर्मा  
उम्र-59 वर्ष, व्यवसाय-कृषि निवासी-  
ग्राम बरगंवा तहसील कराहल जिला  
श्योपुर म0प्र0 -----आवेदक  
बनाम

- 1- मध्य प्रदेश शासन द्वारा कलेक्टर जिला  
श्योपुर (म0प्र0)
- 2- रामहेत, नत्थू, रामनायण रूगनाथ  
पुत्रगण किसल्ली निवासी-ग्राम बरगवां  
तहसील कराहल जिला श्योपुर म0प्र0
- 3- तहसीलदार कराहल जिला श्योपुर म0प्र0

-----अनावेदकगण

निगरानी आवेदन-पत्र अन्तर्गत धारा 50 म0प्र0 भू राजस्व संहिता  
1959 विरुद्ध आदेश दिनांक 19/02/2016 पारित न्यायालय  
तहसीलदार तहसील कराहल जिला श्योपुर (म0प्र0) प्रकरण क्रमांक  
39/14-15/बी-121

माननीय न्यायालय,

आवेदक की निगरानी निम्न प्रकार प्रस्तुत है:-

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य:-

- 1- यहकि, ग्राम बरगंवा तहसील कराहल के भूमि सर्वे  
क्रमांक 77/2 रकवा 10574 होकर का प्रकरण क्रमांक  
3/80-81/अ-19 अलाउटमेंट अधिकारी एवं नायब  
तहसीलदार तहसील कराहल जिला श्योपुर के आदेश  
दिनांक 11/04/1981 के द्वारा आवंटन कर कब्जा  
सौंप दिया जिसे धन मेहनत कर खर्च कर कृषि योग्य

दिनांक 2-4-16 को  
प्रो. अमर-रूल. चालक  
जमा 2 इल. प्रो. अमर/

2-4-16

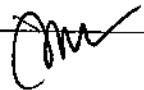
S.L. Shrivastava  
Adj.  
2/4/2016.

राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक 1083-एक/2016 निगरानी

जिला श्योपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभि० के हस्ताक्षर
21-4-16	<p>यह निगरानी तहसीलदार कराहल जिला श्योपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 39/2014-15 बी-121 में पारित आदेश दिनांक 19-2-2016 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंगत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ आवेदक के अभिभाषक एवं शासन के पैनल लायर के तर्क सुने गये तथा उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन किया गया। अनावेदक क्रमांक-2 फार्मल पक्षकार है।</p> <p>2/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन से वस्तु स्थिति यह है कि ग्राम बरगमा स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 696 रकबा 3.815 हैक्टर एवं दूसरी भूमि सर्वे नंबर 777/2 मिन रकबा 1.547 हैक्टर मूल रूप से विवादित है। तहसीलदार कराहल ने अनुविभागीय अधिकारी कराहल के पत्र दिनांक 11-5-15 पर से आवेदक के विरुद्ध बी 121 मद में प्रकरण क्रमांक 39/14-15 दर्ज किया है एवं आवेदक को सुनवाई हेतु सूचना पत्र जारी किया है, जिसमें आवेदक ने तहसीलदार के समक्ष बचाव में अभिलेख प्रस्तुत किया है। तहसीलदार ने आवेदक को सुनकर प्रकरण क्रमांक 39/14-15 बी 121 में पारित आदेश दिनांक 19-2-16 से निर्णय लिया है कि भूमि सर्वे क्रमांक 696 रकबा 3.815 हैक्टर पूर्व में रामहेत, नथू, रामनारायण, रुघनाथ पुत्रगण किसल्ली तथा महिला अमरी वेवा किसल्ली के नाम थी जो वर्तमान में आवेदक के</p>	

नाम पर खसरे में अंकित होना पाई गई है तथा किस अधिकारी के आदेश से यह अंकन हुआ है अभिलेख न होने से आवेदक का नाम शासकीय अभिलेख से विलोपित किया जाय।

उक्त पर आवेदक के अभिभाषक का तर्क है कि तहसीलदार के प्रकरण क्रमांक 3/1995-96 अ-46 में पारित आदेश दिनांक 7-8-1996 से भूमि सर्वे क्रमांक 696 रकबा 3.815 हैक्टर पर उसे भूमिस्वामी बनाया गया है एवं यह आदेश अपील/निगरानी के अभाव में अंतिम है तथा तहसीलदार को पूर्वाधिकारी द्वारा पारित आदेश को स्वस्तर से पुनरावलोकन में लेने के अधिकार भी नहीं है। इस सम्बन्ध में आवेदक ने प्रमाण में खसरा संबत् 2051 से 2055 की प्रमाणित प्रतिलिपि की छायाप्रति प्रस्तुत की है जिसके कालम नंबर 12 में इस प्रकार की प्रविष्टि अंकित है :-

श्रीमान तहसीलदार महो.कराहल के न्यायालय के प्र. क.3/1995-96अ-46 आदेश दिनांक 7-8-1996 से रामहेत वगैरह के स्थान पर रघुवीर प्रसाद पुत्र लीलाधर जाति ब्रा. नि.ग्राम बरगमा के नाम संपूर्ण रकबा पर नामा0 स्वीकार हुआ।

जब खसरा प्रविष्टि से आवेदक का उक्तांकित भूमि पर नामांतरण स्वीकार किये जाने की पुष्टि हुई है तहसीलदार को स्वस्तर से पूर्वाधिकारी के आदेश को पुनरावलोकन में लेने की शक्तियाँ नहीं हैं जिसके कारण तहसीलदार कराहल द्वारा प्रकरण क्रमांक 39/2014-15 बी-121 में पारित आदेश दिनांक 19-2-2016 विधि के प्रभाव से अकृत एवं शून्यवत् होने से निरस्त किये जाने योग्य है।

3/ तहसीलदार कराहल जिला श्योपुर ने प्रकरण क0

4/2

1/11

## राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

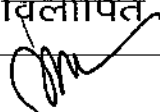
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक 1083-एक/2016 निगरानी

जिला श्योपुर


स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभि० के हस्ता
	<p>39/2014-15 बी-121 में पारित आदेश दिनांक 19-2-2016 के उक्त निर्णय के आगे यह भी निर्णय लिया है कि ग्राम बरगमा की भूमि सर्वे नंबर 777/2 रकबा 1.547 हैक्टर शासकीय अभिलेख में रघुवीर प्रसाद पुत्र लीलाधर जाति ब्रा० नि०ग्राम शास.पट्टेदार से भूमिस्वामी दर्ज है जिसमें कोई प्रकरण क्रमांक दर्ज नहीं है न ही किसी सक्षम अधिकारी का आदेश है जिसके कारण उन्होंने शासकीय अभिलेख से उक्तांकित भूमि पर से आवेदक का नाम विलोपित करने का निर्णय लिया है।</p> <p>आवेदक ने तहसील न्यायालय के प्रकरण क्रमांक 3/80-81 अ-19 में पारित आदेश दिनांक 11-4-1981 से आवेदक के हित में दिये गये पट्टे की प्रतिलिपि की छायाप्रति प्रस्तुत कर बताया है कि ग्राम बरगमा की भूमि सर्वे नंबर 777/2 रकबा 1.547 हैक्टर का उसे पट्टा प्राप्त है जिस पर से यह भूमि उसके नाम आई है। आवेदक के हित में जारी पट्टे की प्रति एवं 11-4-1981 से उक्तांकित भूमि पर आवेदक के नाम की शासकीय अभिलेख में चली आ रही प्रविष्टि को तहसीलदार विलोपित करने हेतु क्या सक्षम है ? जब तक तहसील न्यायालय के प्रकरण क्रमांक 3/80-81 अ-19 में पारित आदेश दिनांक 11-4-1981 को सक्षम अधिकारी द्वारा निरस्त नहीं कर दिया जाता - तहसीलदार पट्टा निरस्त करने की एवं शासकीय अभिलेख से आवेदक के नाम को विलोपित करने की शक्तियाँ नहीं रखते हैं</p>	

Ka



अतएव तहसीलदार कराहल द्वारा प्रकरण क्रमांक 39/2014-15 बी-121 में पारित आदेश दिनांक 19-2-2016 विधि के प्रभाव से शून्यवत् होने से निरस्त किये जाने योग्य है।

4/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर तहसीलदार कराहल द्वारा प्रकरण क्रमांक 39/2014-15 बी-121 में पारित आदेश दिनांक 19-2-2016 त्रुटिपूर्ण होने से निरस्त किया जाता है एवं निगरानी स्वीकार की जाती है।

  
सदस्य

By  
2/2